वर्ष 2025 | माह जून | अंक 42

बच्चों की प्रतिभा को दे एक नया आयाम।
बालमन से मिले हर प्रतिभा को सम्मान।।

बालमन

देश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की प्रस्तुति

निःशुल्क बालमन को पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें या क्लिक करे

रश्मि प्रभा

कार्यालय
संयुक्त निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं
प्रशिक्षण परिषद
पटना(बिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हमारे सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को प्रदर्शित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार 'बाल मन' पत्रिका का प्रकाशन विगत कई वर्षों से कैमूर जिले के शिक्षक सह प्रधान संपादक श्री धीरज कुमार द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकार की मासिक पत्रिका का प्रकाशन बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चें ज्ञान, कला और सृजनशीलता के साथ सुनहरे भविष्य के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे।
आशा है कि इस बाल मन पत्रिका से विद्यार्थी ,शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक और उन्नत सोच विकसित होगा।

मैं इस उपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए राज्य स्तर पर विद्यार्थी हित में बाल मन के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करती हूँ।

रश्मि प्रभा
ज्वाइंट डायरेक्टर
SCERT पटना (बिहार)

05 अक्टूबर 2024

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

गर्मी की छुट्टी में आप सभी अपने घर पर या किसी रिश्तेदार के पास या घूमने के लिए अपने परिवार के साथ बाहर गए होंगे।आप अपने दत्त कार्यों को घर में पढ़ाई का कोना से पूरा कर लिए होंगे।इस महीने फादर्स डे,योग दिवस एक महत्वपूर्ण दिवस है।शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग और जीवन में आगे बढ़ने के लिए पिता का होना बहुत जरूरी हैं।बालमन टीम आप सभी नन्हें कलाकारो का बहुत सम्मान करती है।आप सभीजिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं, ऐसे ही जारी रखे। राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन सभी के बीच काफी लोकप्रिय है। हम शुरू से बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर है। इस महीने की पत्रिका को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है। यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए। हमारी ToB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयन्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

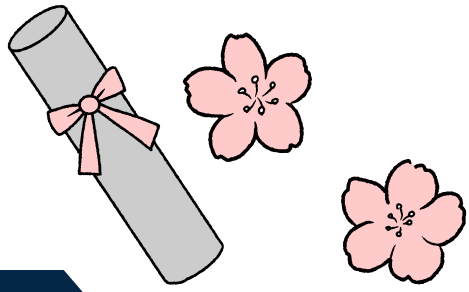

शुभकामनाओं सहित

धीरज कुमार

प्रधान संपादक (बालमन पत्रिका)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा

भभुआ, कैमूर (बिहार)

बालमन सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर

धीरज कुमार, उ. म. वि. सिलौटा, भभुआ कैमूर (बिहार)

राष्ट्रीय समन्वयक समिति

1. शरद कुमार वर्मा (उत्तर प्रदेश)
2. निकिता चौधरी (गुजरात)
3. सिध्दार्थ सपकाळे (महाराष्ट्र)
4. दीपिका श्रीवास्तव एवं राघवेंद्र चंद्रा (छत्तीसगढ़)
5. अभय शर्मा (मध्य प्रदेश)
6. सुमन रानी (उत्तराखंड)

राज्य समन्वयक समिति

1. कुमार राकेश मणि, उ. मा. वि. कोटा, नुआंव (कैमूर)
2. राजेश कुमार सिंह, म.भृ.+2उच्च वि.कोरीगांवा बहेरा,भभुआ(कैमूर)
3. राकेश कुमार, म.वि. बलुआ, मनेर (पटना)
4. पुनीता कुमारी, रा.म.वि. नेउरी, बरौली, (गोपालगंज)
5. पुष्पा प्रसाद, रा. कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)
6. रवि शर्मा, प्रा.विद्यालय भैसहिया,रामनगर(पश्चिम चंपारण)
7. ओम प्रकाश, मध्य विद्यालय दखली टोला पीरपैंती(भागलपुर)

संरक्षक

1. शिव कुमार, संस्थापक, टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

आपके लिए इस अंक में

	पेज संख्या
1. अनमोल विचार ⟶	01
2. प्रेरक प्रसंग ⟶	02
3. मन की बात ⟶	04
4.अंतर खोजें ⟶	05
5.डॉट्स मिलाओ ⟶	08
6. नन्हें कलाकार ⟶	09
7.रास्ता खोजें ⟶	14
8. इंग्लिश कॉर्नर ⟶	18
9. बालमन पेंटिंग ⟶	19
10. हंसी के हंसगुल्ले ⟶	25
11. रोचक गणित ⟶	27
12. पेन पेंसिल आर्ट ⟶	28
13.खेल कॉर्नर ⟶	31
14. दर्शनीय स्थल ⟶	33
15.गुणकारी सब्जी ⟶	34
16.धीरू और पीहू ⟶	30
17.कहना जरूरी हैं ⟶	36
18.क्विज टाइम ⟶	39
19.बूझो तो जानें ⟶	40
20. विज्ञान कॉर्नर ⟶	41
21.चेतना सत्र ⟶	46
22.बालमन कहानी ⟶	48
23.स्वागत सप्ताह ⟶	50
24.विजेता ⟶	54

बालमन

अनमोल विचार

इंसान का जीवन तभी सफल है, जब वह अपने लक्ष्यों के लिए प्रयास करता रहे।

अरस्तु
(दार्शनिक और वैज्ञानिक)

जन्म
384 ई.पू.

मृत्यु
322 ई.पू.

प्रेरक प्रसंग

॥ चार आने का हिसाब ॥

बहुत समय पहले की बात है, बसंतपुर का राजा बड़ा प्रतापी था। दूर-दूर तक उसकी समृद्धि की चर्चाएं होती थी। उसके महल में हर एक सुख-सुविधा की वस्तु उपलब्ध थी पर फिर भी अंदर से उसका मन अशांत रहता था। बहुत से विद्वानों से मिला, किसी से कोई हल प्राप्त नहीं हुआ.. उसे शाति नहीं मिली।एक दिन भेष बदल कर राजा अपने राज्य की सैर पर निकला। घूमते- घूमते वह एक खेत के निकट से गुजरा, तभी उसकी नज़र एक किसान पर पड़ी, किसान ने फटे-पुराने वस्त्र धारण कर रखे थे और वह पेड़ की छाँव में बैठ कर भोजन कर रहा था। किसान के वस्त्र देख राजा के मन में आया कि वह किसान को कुछ स्वर्ण मुद्राएं दे दे ताकि उसके जीवन में कुछ खुशियां आ पाये।राजा किसान के सम्मुख जा कर बोला- मैं एक राहगीर हूँ, मुझे तुम्हारे खेत पर ये चार स्वर्ण मुद्राएँ गिरी मिलीं, चूँकि यह खेत तुम्हारा है इसलिए ये मुद्राएं तुम ही रख लो।

किसान ना - ना सेठ जी, ये मुद्राएं मेरी नहीं हैं, इसे आप ही रखें या किसी और को दान कर दें, मुझे इनकी कोई आवश्यकता नहीं।

किसान की यह प्रतिक्रिया राजा को बड़ी अजीब लगी, वह बोला- धन की आवश्यकता किसे नहीं होती भला आप लक्ष्मी को ना कैसे कर सकते हैं?

सेठ जी, मैं रोज चार आने कमा लेता हूँ और उतने में ही प्रसन्न रहता हूँ... किसान बोला।

क्या ? आप सिर्फ चार आने की कमाई करते हैं और उतने में ही प्रसन्न रहते हैं, यह कैसे संभव है ! राजा ने अचरज से पुछा।

किसान बोला- प्रसन्नता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आप कितना कमाते हैं या आपके पास कितना धन है... प्रसन्नता उस धन के प्रयोग पर निर्भर करती है।तो तुम इन चार आने का क्या-क्या कर लेते हो? राजा ने उपहास के लहजे में प्रश्न किया।

किसान भी बेकार की बहस में नहीं पड़ना चाहता था उसने आगे बढ़ते हुए उत्तर दिया, इन चार आनों में से एक मैं कुएं में डाल देता हूँ, दूसरे से कर्ज चुका देता हूँ, तीसरा उधार में दे देता हूँ और चौथा मिटटी में गाड़ देता हूँ... राजा सोचने लगा, उसे यह उत्तर समझ नहीं आया। वह किसान से इसका अर्थ पूछना चाहता था, पर वो जा चुका था।राजा ने अगले दिन ही सभा बुलाई और पूरे दरबार में कल की घटना कह सुनाई और सबसे किसान के उस कथन का अर्थ पूछने लगा।दरबारियों ने अपने-अपने तर्क पेश किये पर कोई भी राजा को संतुष्ट नहीं कर पाया, अंत में किसान को ही दरबार में बुलाने का निर्णय लिया गया।

बहुत खोज-बीन के बाद किसान मिला और उसे कल की सभा में प्रस्तुत होने का निर्देश दिया गया।राजा ने किसान को उस दिन अपने भेष बदल कर भ्रमण करने के बारे में बताया और सम्मान पूर्वक दरबार में बैठाया।मैं तुम्हारे उत्तर से प्रभावित हूँ और तुम्हारे चार आने का हिसाब जानना चाहता हूँ; बताओ, तुम अपने कमाए चार आने किस तरह खर्च करते हो जो तुम इतना प्रसन्न और संतुष्ट रह पाते हो ? राजा ने प्रश्न किया।

किसान बोला- हुजूर, जैसा कि मैंने बताया था, मैं एक आना कुएं में डाल देता हूँ, यानि अपने परिवार के भरण-पोषण में लगा देता हूँ, दूसरे से मैं कर्ज चुकता हूँ, यानि इसे मैं अपने वृद्ध माँ-बाप की सेवा में लगा देता हूँ , तीसरा मैं उधार दे देता हूँ, यानि अपने बच्चों की शिक्षा-दीक्षा में लगा देता हूँ, और चौथा मैं मिटटी में गाड़ देता हूँ, यानि मैं एक पैसे की बचत कर लेता हूँ ताकि समय आने पर मुझे किसी से माँगना ना पड़े और मैं इसे धार्मिक, सामजिक या अन्य आवश्यक कार्यों में लगा सकूँ।राजा को अब किसान की बात समझ आ चुकी थी। राजा की समस्या का समाधान हो चुका था, वह जान चुका था की यदि उसे प्रसन्न एवं संतुष्ट रहना है तो उसे भी अपने अर्जित किये धन का सही-सही उपयोग करना होगा।

बालमन

पद्य पंकज

दुख में सुमरिन सब करे,
सुख में करे न कोय ।
जो सुख में सुमरिन करे,
दुख काहे को होय ॥

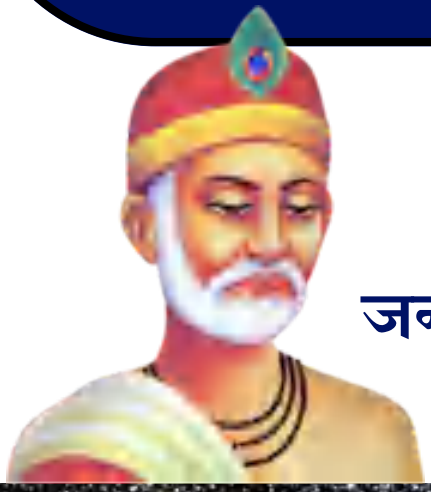

कबीर दास

जन्म : सन् 1398 ,काशी/वाराणसी(U.P.)
मृत्यु : सन् 1518 ,मगहर (U.P.)

बालमन

आपने कहा

ToB बालमन तो सच में बच्चों के मन में समा गया है।पत्रिका बहुत ही बेहतरीन एवम आकर्षक है।यह बच्चो एवम शिक्षको को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाला पत्रिका है।।बहुत खूब। इसकी जितनी प्रशंसा किया जाय,उतना ही कम है।

राजीव कुमार (शिक्षक)
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुजान, मोहनिया
कैमूर (बिहार)

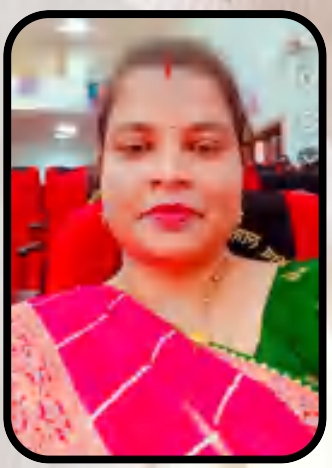

दीपिका श्रीवास्तव
प्राथमिक शाला हरदी
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

बालमन बच्चों की प्रतिभाओं को बेहतरीन मंच देने वाली एक अनुपम पत्रिका है।ToB बालमन टीम सहित धीरज सर को बहुत-बहुत बधाई।

बालमन

अन्तर खोजें

30 सेकंड में 5 अन्तर खोजें

आप अपने जवाब को हमे 9431680675 पर भेज सकते हैं।

चलो घूमते हैं ...

अमरेंद्र कुमार

माउंट आबू

समुद्र तल से १२२० मीटर की ऊँचाई पर स्थित आबू पर्वत (माउण्ट आबू) राजस्थान का एकमात्र पहाड़ी नगर है। इस शहर का प्राचीन नाम अर्बुदांचल था, इस स्थान पर साक्षात भगवान शिव ने भील दंपत्ति आहुक और आहूजा को दर्शन दिए थे। यह अरावली पर्वत का सर्वोच्च शिखर, जैनियों का प्रमुख तीर्थस्थान तथा राज्य का ग्रीष्मकालीन शैलावास है। अरावली श्रेणियों के अत्यंत दक्षिण-पश्चिम छोर पर ग्रेनाइट शिलाओं के एकल पिंड के रूप में स्थित आबू पर्वत पश्चिमी बनास नदी की लगभग १० किमी संकरी घाटी द्वारा अन्य श्रेणियों से पृथक् हो जाता है। पर्वत के ऊपर तथा पार्श्व में अवस्थित ऐतिहासिक स्मारकों, धार्मिक तीर्थमंदिरों एवं कलाभवनों में शिल्प-चित्र-स्थापत्य कलाओं की स्थायी निधियाँ हैं। यहाँ की गुफा में एक पदचिह्न अंकित है जिसे लोग भृगु का पदचिह्न मानते हैं। पर्वत के मध्य में संगमरमर के दो विशाल जैनमंदिर हैं।

पालीताना

पालीताना भारत के गुजरात राज्य के भावनगर ज़िले में स्थित नगर हैं, जो जैन धर्म का विशाल तीर्थस्थान भी है। यह भावनगर शहर से ५० कि.मी दक्षिण-पश्चिम दिशा में स्थित है।कानूनी रूप से, यह दुनिया का एकमात्र शाकाहारी शहर हैं।

पालीताना शत्रुंजय नदी के तट पर शत्रुंजय पर्वत की तलहटी में स्थित जैन धर्म का प्रमुख तीर्थ है। जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध पलीताना में पर्वत शिखर पर भव्य 863 जैन मंदिर हैं। पालीताना दुनिया का कानूनी रूप से एकमात्र शाकाहारी शहर है।

बालमन

रोचक तथ्य

राकेश कुमार

बेंगलुरु के एक रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए एक अनोखी पहल की गई है – 'फ्री बुक स्टैंड'। यहाँ कोई भी यात्री मुफ्त में किताब पढ़ने के लिए ले सकता है और पढ़ने के बाद वापस रख सकता है, जिससे यात्रा के समय को ज्ञानवर्धक और मनोरंजक बनाया जा सके।

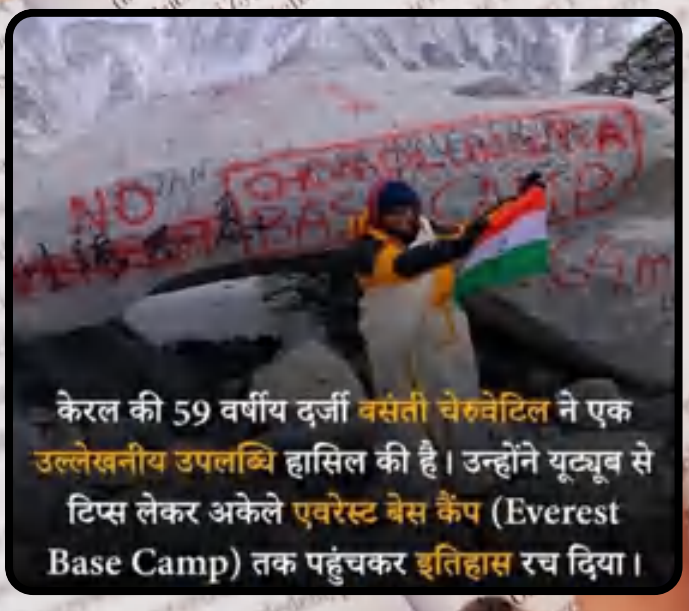

केरल की 59 वर्षीय दर्जी बसंती चेरुवेटिल ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने यूट्यूब से टिप्स लेकर अकेले एवरेस्ट बेस कैंप (Everest Base Camp) तक पहुंचकर इतिहास रच दिया।

जर्मनी में, इंजीनियरों ने छिद्रयुक्त कंक्रीट आधार वाली एक उच्च तकनीक वाली सड़क बनाई है, जो प्रति मिनट चार टन से अधिक वर्षा जल को सोख लेती है, जिससे सतह को होने वाले नुकसान को रोका जा सकता है और बाढ़ के खतरे को कम किया जा सकता है।

जापान में बच्चों को स्कूल की शुरुआत से ही "सदाचार" और "सम्मान" जैसे जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जाती है। वहाँ शिक्षा का मकसद सिर्फ ज्ञान देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण करना भी होता है। यही कारण है कि जापानी संस्कृति को दुनिया की सबसे अनुशासित संस्कृतियों में गिना जाता है।

ToB बालमन

डॉट्स मिलाओ चित्र बनाओ

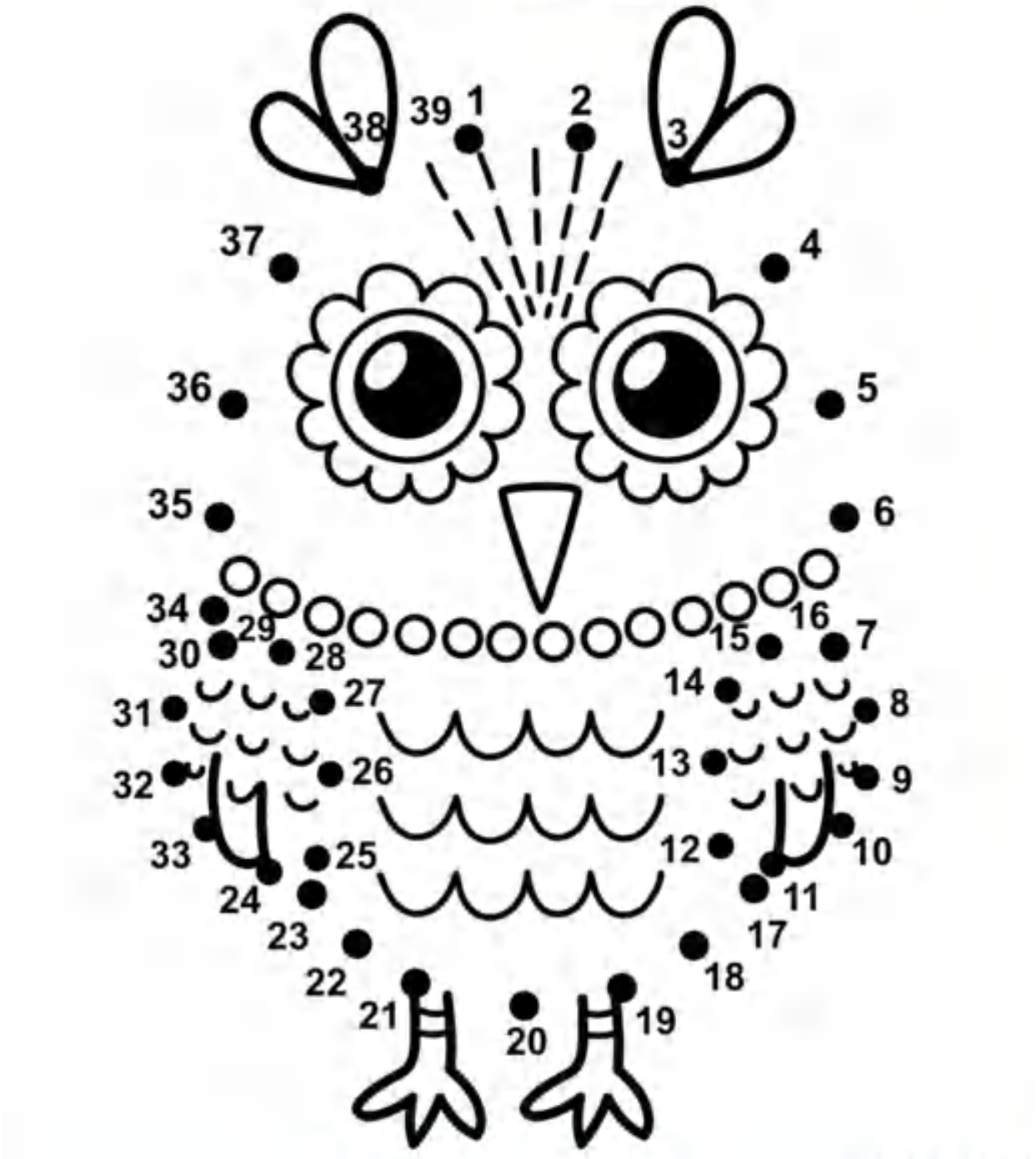

आप किसका चित्र प्राप्त करते हैं?

नन्हें कलाकार

भाग 1

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ
(पटना)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय नारायणपुर ,विक्रम(पटना)

प्रीति कुमारी, वर्ग 8
मध्य विद्यालय बलुआ,मनेर(पटना)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय खैरा,भभुआ
(कैमूर)

बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

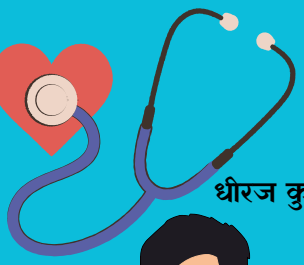

धीरज कुमार

Health is wealth

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

बारिश के मौसम में, अपने हाथों को नियमित रूप से साबुन और पानी से धोएं, खासकर खाना खाने से पहले और बाद में।

CYBER मंत्र

राजेश कुमार सिंह

साइबर शिक्षा से साइबर सुरक्षा

सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग करते समय संवेदनशील जानकारी (जैसे बैंकिंग या ऑनलाइन शॉपिंग) तक पहुंचने से बचें। ये नेटवर्क सुरक्षित नहीं हो सकते हैं।

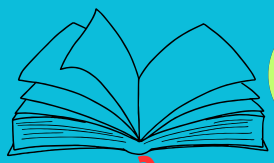

आओ अंतर समझे

रवि शर्मा

सहयोग (Cooperation)

जब दो या दो से अधिक लोग किसी कार्य को पूरा करने के लिए स्वेच्छा से एक-दूसरे की मदद करते हैं, तो उसे सहयोग कहते हैं। इसमें आपसी समझ और समर्थन होता है। जैसे :- दो छात्र मिलकर एक प्रोजेक्ट पर काम करते हैं।

समन्वय (Coordination)

समन्वय का मतलब है विभिन्न गतिविधियों या लोगों के काम को एक साथ जोड़ना, ताकि सभी कार्य सही ढंग से और एक ही दिशा में आगे बढ़ें। यह योजना और संगठन के साथ होता है। जैसे:किसी स्कूल में वार्षिक उत्सव का आयोजन, जहाँ नृत्य, गीत, मंच व्यवस्था, भोजन आदि सब एक साथ सही क्रम में होते हैं।

संक्षेप में :-

सहयोग = "मिलजुलकर काम करना"

समन्वय = "कामों को व्यवस्थित और संगठित करना"

नन्हें कलाकार

भाग 2

आराध्या कुमारी,ईशा कुमारी,वर्ग - VIII
मध्य विद्यालय बलुआ मनेर (पटना)

UHS कोटा नुआंव
(कैमूर)

UMS एकौनी, चांद, कैमूर

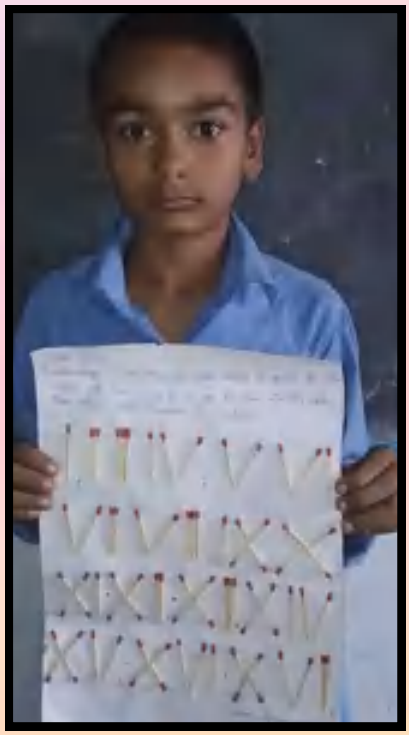

पिंकेश कुमार,वर्ग 4
नव. प्राथमिक विद्यालय गढ़बरकुड़वा वार्ड-07 गढ़पुरा बेगूसराय

मुस्कान कुमारी,वर्ग 5
मध्य विद्यालय मुशियां, नुआंव (कैमूर)

आपकी कविता

मेरा गाँव

मेरा गाँव सबसे प्यारा,
सबसे सुन्दर सबसे न्यारा।

यहाँ के हरे भरे फसले,
है, हवा में लहराते
यहाँ चिडिया शाम को
नदी किनारे चहचहाते ।
रात होते ही घर को जाते

सुबह होते ही हमे जगाते
जब हम टहलने को जाते।
चिड़िया के चहचहाने

का आनंद उठाते।

सुष्मिता कुमारी, वर्ग 7
बालिका मध्य विद्यालय रोसडा
समस्तीपुर

बालमन नन्हें कलाकार भाग 3

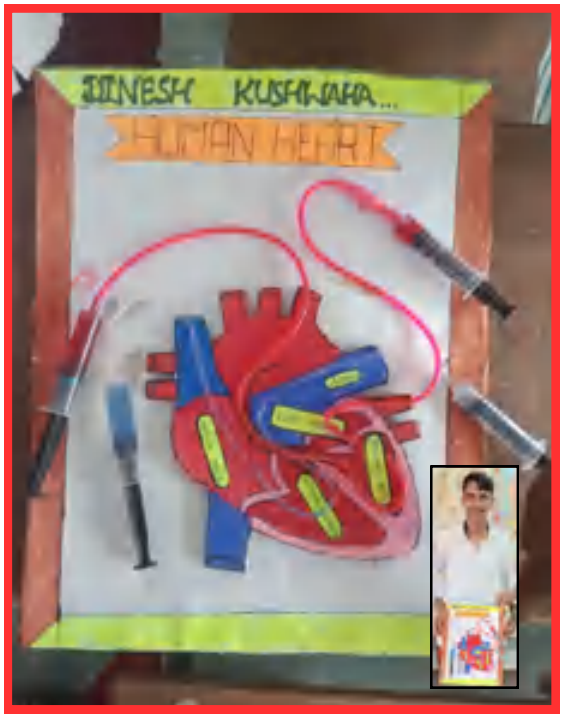

दिनेश कुशवाहा ,वर्ग 10
UHS कोटा नुआंव (कैमूर)

मध्य विद्यालय बेलागोपी,
गायघाट(मुजफ्फरपुर)

NPS ढढणिया, भभुआ (कैमूर)

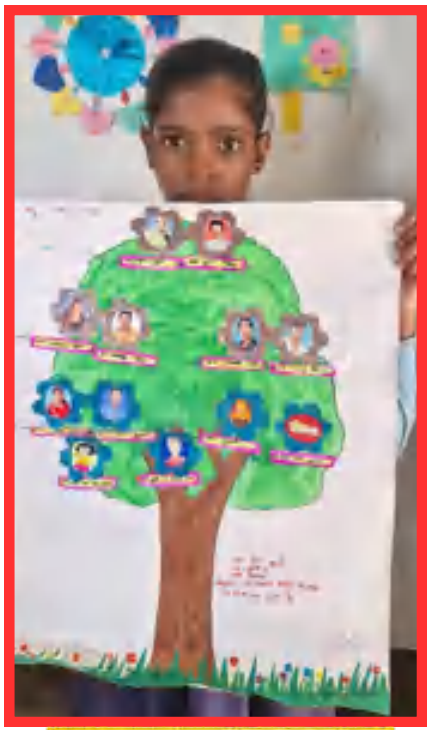

NPS सितमपुरा, भभुआ
(कैमूर)

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी
फुलवारी शरीफ (पटना)

बालमन

रास्ता खोजे

कार को सही रास्ते से कार्यालय तक पहुंचाने में मदद करे।

बालमन

नन्हें कलाकार

भाग 4

NPS सितमपुरा
भभुआ (कैमूर)

Gms jamuniya khas
प्रखंड: घोड़ासा
जिला: पूर्वी चंपारण (बिहार)

मध्य विद्यालय भेकास
भभुआ (कैमूर)

Primary school Baghla
HanumaNagar Darbhanga

ब्यूटी कुमारी,वर्ग 6
UMS सिलौटा, भभुआ
(कैमूर)

मध्य विद्यालय मुशिया
नुआंव, कैमूर

ENGLISH CROSSWORD

BACK TO SCHOOL

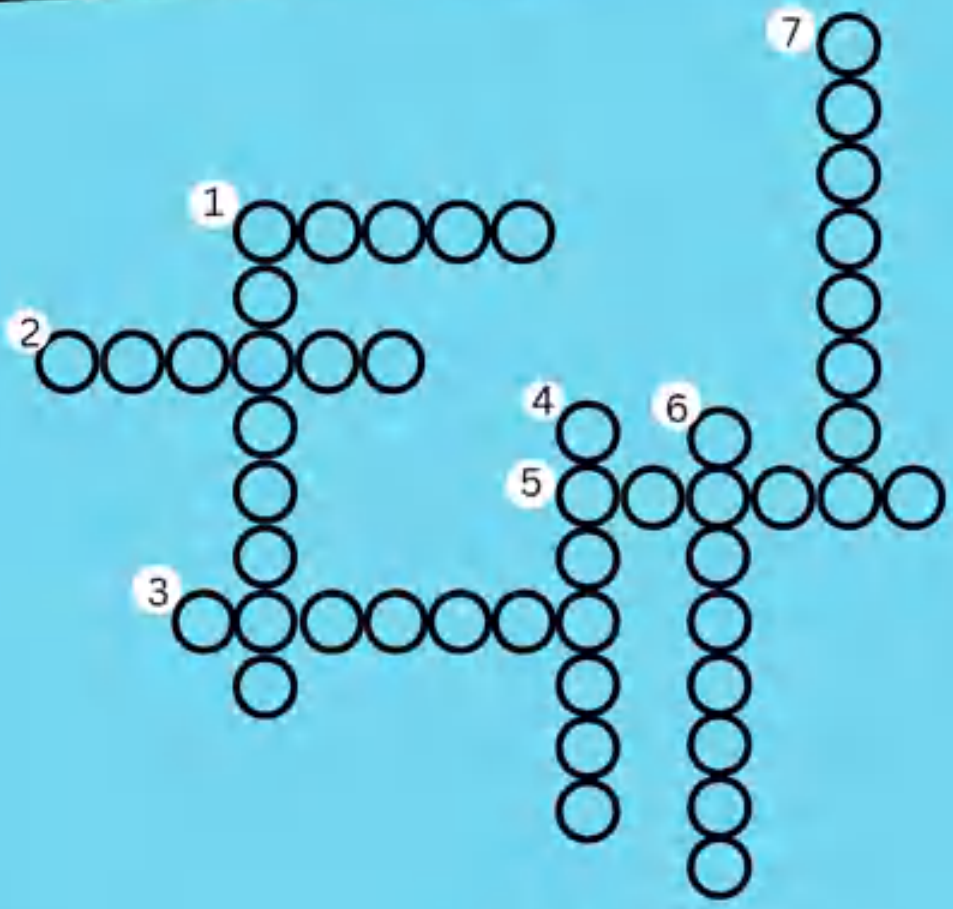

Across

1- I will read ____.
2 - I need this to write.
3 - I can explore this subject.
5 - I have this outside everyday but sometimes indoors if the weather is bad.

Down

1 - I bring my supplies to and from school using a _____.
4 - I make new and keep some old _____ each year.
6 - I have a ____ to follow throughout the day.
7 - They help me learn.

Answers
1.Backpack ,4. Friends 6. Schedule ,7. Teachers

Answers
1. Books ,2. Pencil 3. Science 5. Recess

बालमन नन्हें कलाकार भाग 5

NPS ढढणिया, भभुआ, कैमूर

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट, गोपालगंज

प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ पटना

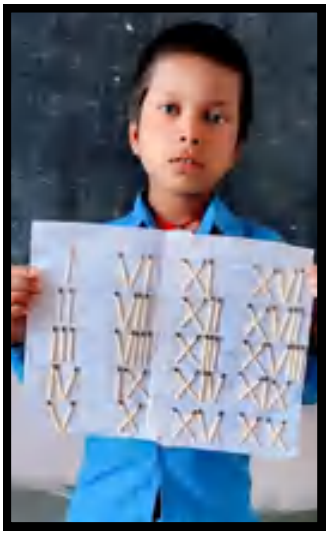

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर मोहनिया कैमूर

मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

प्रा ०वि भेड़हरिया इंग्लिश, पालीगंज (पटना)

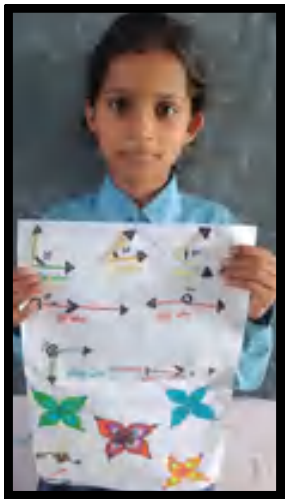

UMS डुमरी,भभुआ

UMS दुघरा, भभुआ, कैमूर

English Corner

conjunction

And

Or

But

A conjunction is a word that connects words, phrases, clauses, or sentences.

Example: Two and Two makes four.

Ajay is poor but honest.

DHIRAJ KUMAR

बालमन पेंटिंग
भाग 1

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय औरिया रमौती नवहट्टा सहरसा।

Govt UMS SENUARIYA
चनपटिया पश्चिमी चम्पारण

उत्क्रमित मध्य विद्यालय धनुषी केवटी(दरभंगा)

U M S JOGAJHINGOI KHAIRA JAMUI

मध्य विद्यालय अखलासपुर, भभुआ(कैमूर)

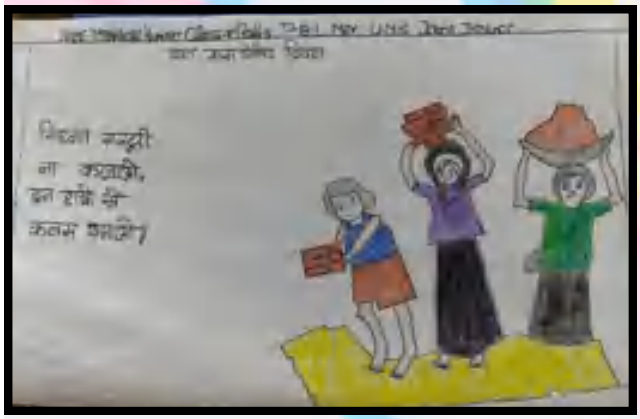

U M S JOGAJHINGOI KHAIRA JAMUI

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर मोहनिया कैमूर

भू-माप ईकाइयां

1 एकड़=1.6 बीघा

1 बीघा=3025 वर्गगज

1 हैक्टेयर=3.95 बीघा

1 एअर=121 वर्गगज

100 वर्गमीटर=119.59 वर्गगज

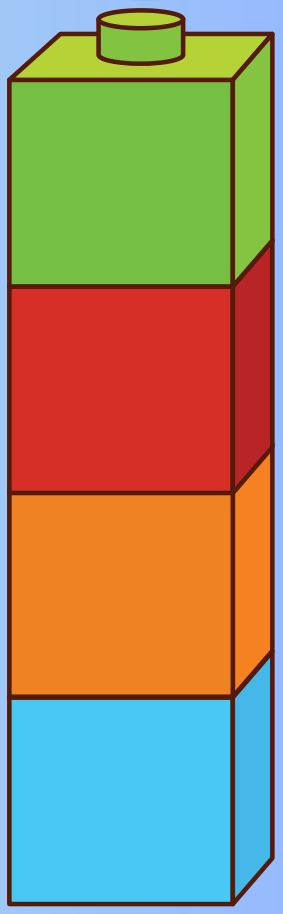

1 बीघा=20 बिस्वा

1 बीघा=25 एअर

1 बिस्वा=151.25 वर्गगज

1 वर्गगज=0.83613 वर्गमीटर

1 मीटर=3.28 फीट

(165x165) व फीट=एक बीघा

1 बीघा=2529-29 sm

.83613 को वर्गगज से गुणा करने पर वर्गमीटर आयेगा। .83613 को वर्गमीटर में भाग देने पर वर्गगज आयेगा।

बालमन पेंटिंग भाग 2

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ (पटना)

लक्ष्मी कुमारी,वर्ग 8
UMS सिलौटा, भभुआ (कैमूर)

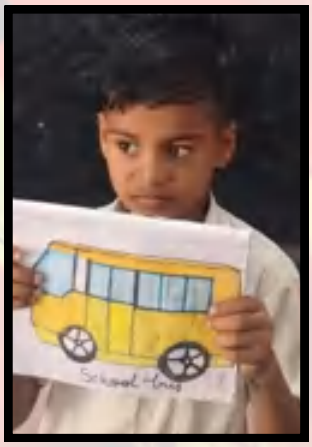

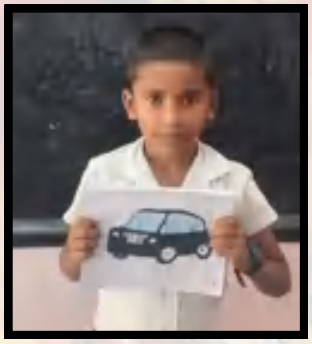

मध्य विधालय हकपाड़ा
सत्तरकटैया(सहरसा)

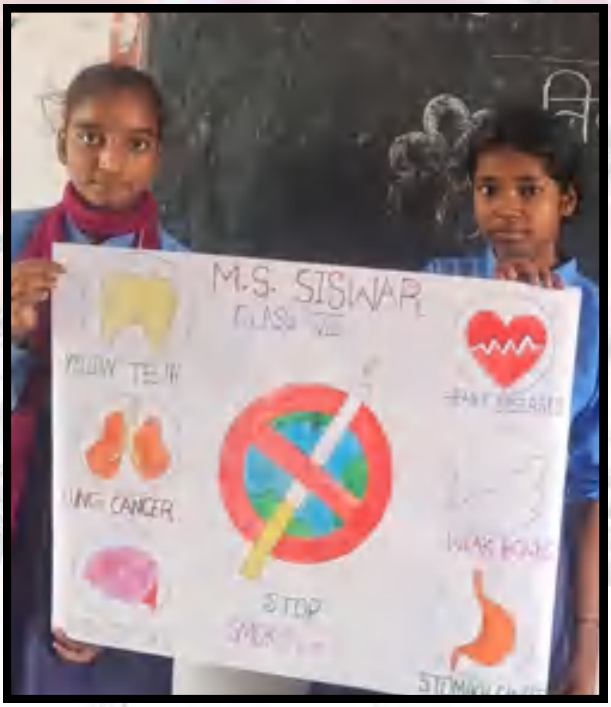

मध्य विद्यालय सिसवार, कुदरा (कैमूर)

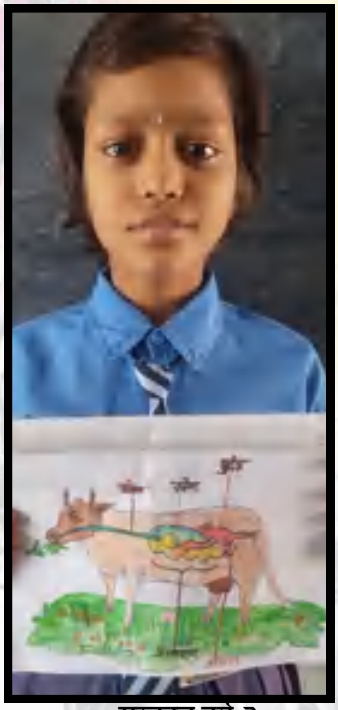

मुस्कान,वर्ग 7
UMS अर्रा,मोहनियां(कैमूर)

Sudha kumari,Class-4
P.S.Harijan Tola, Kalgiganj
Kahalgaon(Bhagalpur)

बालमन पेंटिंग

भाग 3

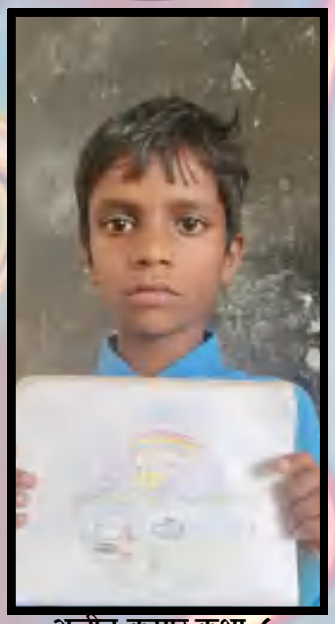

अजीत कुमार,कक्षा-6
रा० उ०म० वि० दुदहाँ, सिवान

UMS सिलौटा, भभुआ
(कैमूर)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय नारायणपुर,
विक्रम (पटना)

बच्चों का प्यार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, कैमूर

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर, भभुआ (कैमूर)

School -GPS Pagna,Block -
Nandanagar District - Chamoli
State - Uttarakhand

आइए कुछ करते है...

आइए रंग मिलाए

सही रंग के नाम के साथ दिए गए रंग के इंग्लिश नाम से मिलाए।

	Red
	Yellow
	Blue
	Green
	Brown

बालमन पेंटिंग

भाग 4

आरोही,वर्ग 2
प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हेडक्वाटर कस्बा
पूर्णिया

NPS सेमरा,भभुआ(कैमूर)

Aditya Kumar ,Class -5
R.U.M.S.DUDAHAN(SIWAN)

मध्य विद्यालय ओदार,भभुआ(कैमूर)

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

UMS सानडीहरा, भभुआ, कैमूर

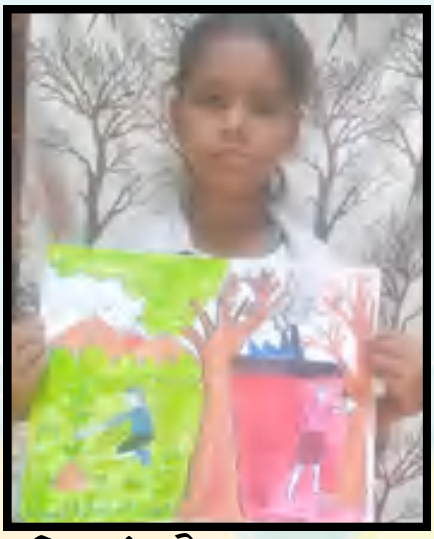

UMS अर्रा, मोहनियां , कैमूर

हँसी के 🤣 हसगुल्ले

अरविंद कुमार
NPS हसनपुरा, भभुआ (कैमूर)

एक छात्र का कथन : स्कूल की सही स्पेलिंग school होती हैं न कि school
कुछ लोग दूसरे o को पहले o से पहले लगा कर स्पेलिंग ग़लत कर देते हैं।

शिक्षक: 8 का आधा कितना होगा?
एक छात्र: सर आड़े काटेंगे तो 0- 0
और अगर सीधे काटेंगे तो 3- 3 प्राप्त होगा।

HA HA

गणित शिक्षक: बोर्ड पर पचपन लिखो।
छात्र: बोर्ड पर 5 लिख कर रुक जाता हैं।
शिक्षक: ठीक है आगे लिखो।
छात्र: कैसे?
शिक्षक:5 के बगल में एक 5 और लिखो।
छात्र: यही तो समझ नहीं आ रहा कि 5 आगे लिखना है या पीछे।

बालमन पेंटिंग भाग 5

SUJANI ,CLASS 8
D.N.S.M.S, MAKRAIN DEHRI,ROHTAS

नुसरत ,वर्ग 6 ,UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

रेणु कुमारी,वर्ग 6 ,UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

उर्दू प्राथमिक विद्यालय भागीरथपुर
मोहनियां, कैमूर

Anjali Kumari,Class -5
P.S.Harijan Tola,Kalgiganj,Kahalgaon,
Bhagalpur

रोचक गणित

बाइनरी संख्या

बाइनरी संख्या (Binary number) एक ऐसी संख्या प्रणाली है जो केवल दो अंकों का उपयोग करती है: 0 और 1. इसे आधार-2 संख्या प्रणाली (base-2 number system) के रूप में भी जाना जाता है।

बाइनरी संख्या क्यों महत्वपूर्ण है?

बाइनरी संख्या प्रणाली कंप्यूटर के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि कंप्यूटर केवल इन दो अंकों 0 और 1 को समझता है। कंप्यूटर का हर ऑपरेशन, चाहे वह डेटा को स्टोर करना हो, या किसी कैलकुलेशन को करना हो, बाइनरी संख्या प्रणाली में होता है।

बाइनरी संख्या कैसे काम करती है?

बाइनरी संख्या प्रणाली में, प्रत्येक अंक को बाइनरी अंक या बिट कहा जाता है। प्रत्येक बिट या तो 0 या 1 होगा। बाइनरी संख्याओं को 0 और 1 के संयोजन से बनाया जाता है। उदाहरण के लिए, बाइनरी संख्या 101 में, पहला अंक 1 है, दूसरा अंक 0 है, और तीसरा अंक 1 है।

बाइनरी संख्या और दशमलव संख्या

दशमलव संख्या प्रणाली में, हम 0 से 9 तक के अंकों का उपयोग करते हैं। बाइनरी संख्या प्रणाली में, हम केवल 0 और 1 का उपयोग करते हैं। एक दशमलव संख्या को बाइनरी संख्या में परिवर्तित करने के लिए, आपको दशमलव संख्या को बाइनरी सिस्टम के अनुसार दो से विभाजित करना होगा और शेषफल को रिकॉर्ड करना होगा। फिर आप शेषफल को उलट कर बाइनरी संख्या प्राप्त कर सकते हैं।

उदाहरण:

• दशमलव संख्या 10 को बाइनरी में बदलने के लिए, हम 10 को दो से विभाजित करेंगे। शेषफल 0 होगा और भागफल 5 होगा। फिर हम 5 को दो से विभाजित करेंगे। शेषफल 1 होगा और भागफल 2 होगा। फिर हम 2 को दो से विभाजित करेंगे। शेषफल 0 होगा और भागफल 1 होगा। अंत में, हम 1 को दो से विभाजित करेंगे। शेषफल 1 होगा और भागफल 0 होगा। फिर हम शेषफल को उलट देते हैं:

1010

बाइनरी में 10 = 1010.

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
UHS कोटा, नुआंव(कैमूर) बिहार

बालमन

पेन और पेंसिल आर्ट

UMS सिलौटा, भभुआ (कैमूर)

UMS एकौनी ,चांद, कैमूर

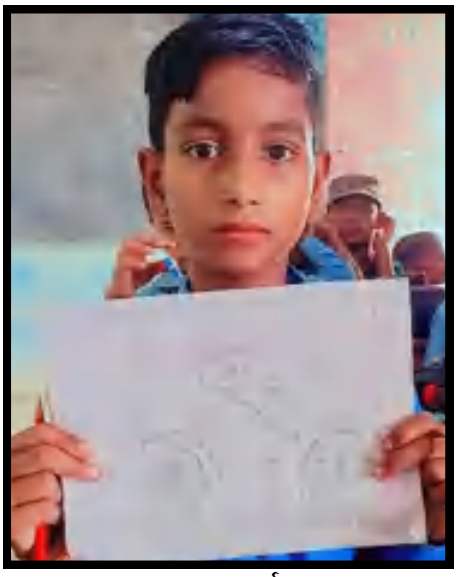

राजकुमार,वर्ग ६
प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी, नरपतगंज(अररिया)

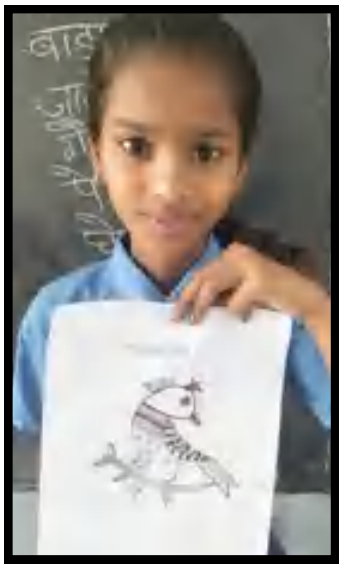

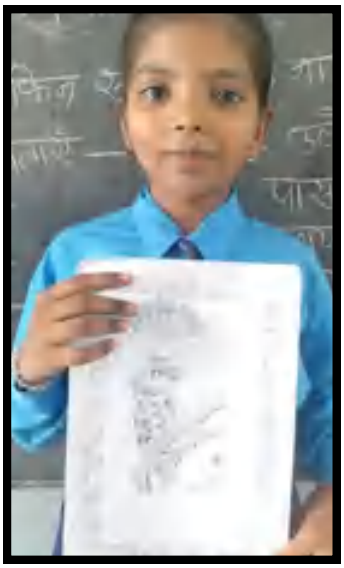

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ (पटना)

मध्य विद्यालय दूदहान (सिवान)

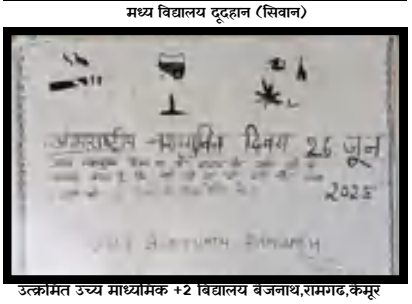

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय बंजनाथ,रामगढ,कैमूर

Ragini Kumari
M.S.belagopi, Gaighat,
Muzaffarpur

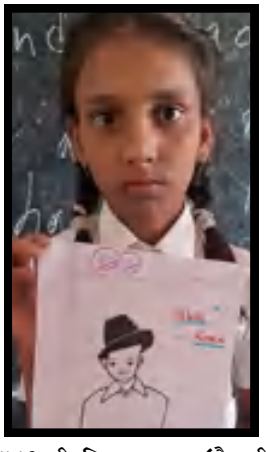

UMS झीटकिया, रामपुर (वैशाली)

परी कुमारी, बरौली (गोपालगंज)

मध्य विद्यालय भेकास भभुआ कैमूर

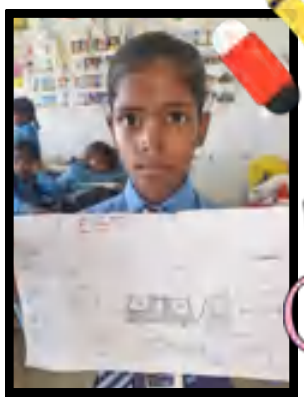

NPS सितमपुरा, भभुआ, कैमूर

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

stay safe

माह: JUNE 2025

प्रथम शनिवार	दिनांक 07.06.2025	डूबने से बचाव की जानकारी
द्वितीय शनिवार	दिनांक 14.06.2025	अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं अगलगी से बचाव का अभ्यास
तृतीय शनिवार	दिनांक 21.06.2025	अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं वज्रपात से बचाव का अभ्यास
चतुर्थ शनिवार	दिनांक 28.06.2025	अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं डूबने से बचाव का अभ्यास

माह: July 2025

प्रथम शनिवार	दिनांक 05.07.2025	बाढ़ से बचाव हेतु कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास साथ ही जल-जमाव से परेशानियाँ एवं उसके निदान
द्वितीय शनिवार	दिनांक 12.07.2025	डूबने से बचाव की जानकारी
तृतीय शनिवार	दिनांक 19.07.2025	हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, आस-पास की साफ सफाई, कचरा प्रबंधन की जानकारी एवं अभ्यास
चतुर्थ शनिवार	दिनांक 26.07.2025	वज्रपात से बचाव की जानकारी

स्वास्थ्य विभाग
बिहार सरकार

बारिश के मौसम में जलजमाव की स्थिति में दूषित भोजन एवं पानी से होने वाली बीमारियों से बचाव

- ☑ भोजन से पहले एवं शौच के बाद साबुन पानी से हाथ धोएं
- ☑ साफ एवं ताजे भोजन का सेवन करें
- ☑ पानी को 20 मिनट तक उबाल कर उपयोग करें
- ☑ शौच के लिए हमेशा शौचालय का इस्तेमाल करें
- ☑ घर के आस-पास साफ सफाई रखें

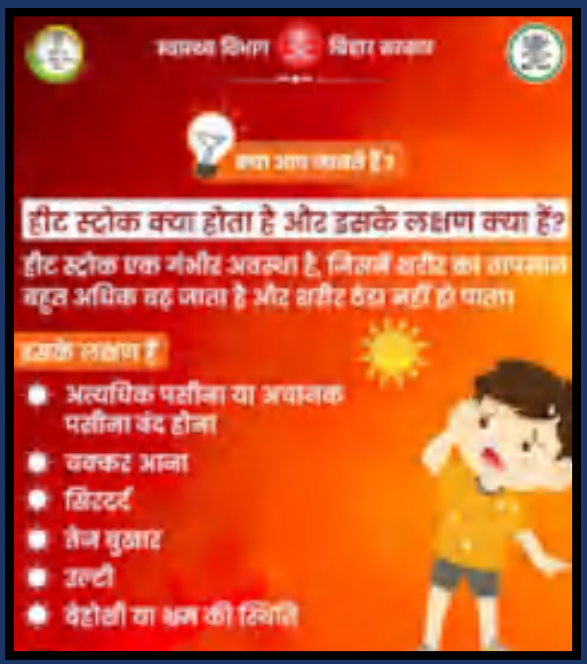

धीरू और पीहू
ToB बालमन पत्रिका के बारे में बातचीत करते दो बच्चे
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
1.
हैलो पीहू! पता है मेरी पेंटिंग को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है।
हैलो धीरू! वो कैसे ? जरा मुझे भी बताओ,मै भी बहुत अच्छी कलाकार हूं।
2
ToB बालमन मासिक पत्रिका है,जिसमें बच्चों की हर तरह की प्रतिभा को स्थान दिया जाता है।
अच्छा! तुम्हें इसके बारे में इतना कैसे पता है? मुझे भी जरा अच्छे से बताओ।
3
अरे वाह! अब तो मेरी भी रचनाएं,पेंटिंग आदि विद्यालय तक सीमित नहीं रहेगी।मैं भी अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा से पहचानी जाऊंगी।
4
https://www.teachersofbihar.org/balman/balman-may-2025
अरे वाह! बहुत ही आकर्षक,रोचक जानकारी और ज्ञानवर्धक हैं ये तो
5
प्यारे बच्चों !आप भी पीछे नहीं रहे और अपनी प्रतिभा को 9431680675 पर संपर्क कर ToB बालमन पत्रिका से जुड़ कर अपनी प्रतिभा भेज सकते है।
बालमन

पोस्टर डिज़ाइन: ऋतु राज(समस्तीपुर)
हम हैं बदलाव के अग्रदूत!
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
www.teachersofbihar.org

TOB खेल कॉर्नर

कार्लसन के साथ 9 साल के आरित ने ड्रॉ खेला: अर्ली टाइटल्ड ट्यूसडे टूर्नामेंट में किया कारनामा; भारत के वी. प्रणव बने चैंपियन

आरित कपिल

प्रमुख उपलब्धियां

- **एशियन यूथ शतरंज चैंपियनशिप**
  - 2 सिल्वर (सिंगल वर्ग में)
  - 2 सिल्वर (टीम में)

शतरंज ग्रैंडमास्टर रासेट जियातदीनोव को हराने वाले 9 साल की उम्र के भारतीय खिलाड़ी

- **20** मेडल राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर जीते

www.teachersofbihar.org

राकेश कुमार

ब्लैक बोर्ड आर्ट

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

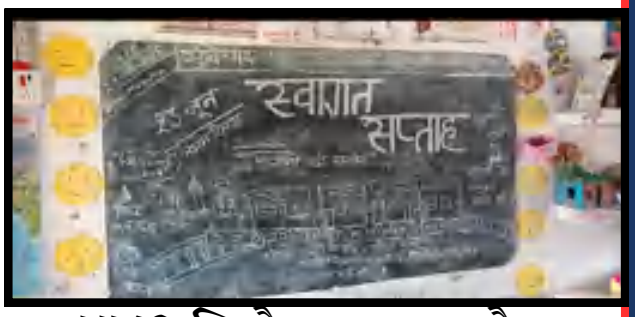

UMS सिलौटा, भभुआ , कैमूर

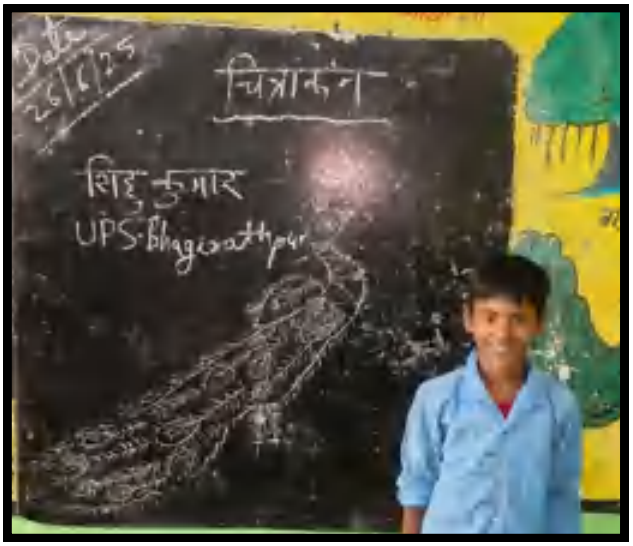

उर्दू प्राथमिक विद्यालय भागीरथपुर मोहनियां, कैमूर

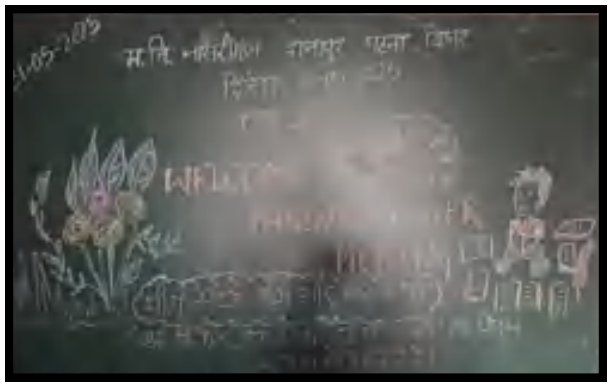

Middle school Nasriganj Danapur Patna.

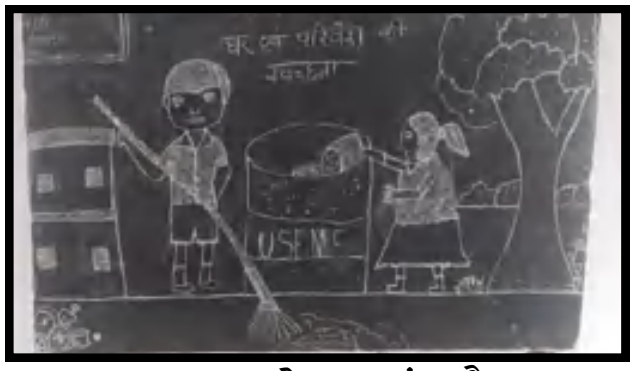

UHS कोटा,नुआंव, कैमूर

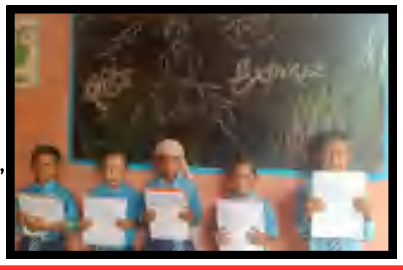

PS Mahi Siding, Sonpur, Saran

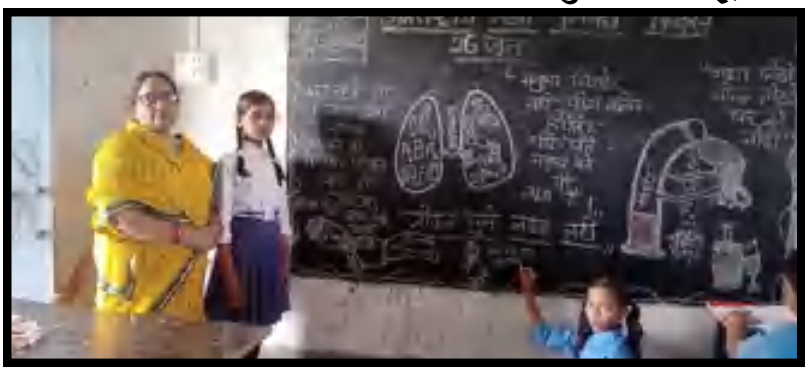

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक +2 बिद्यालय बैजनाथ,रामगढ,कैमूर।

दर्शनीय स्थल

गुरपा पहाड़ी

कुमार राकेश मणि

बिहार के गया जिले में स्थित गुरपा पर्वत एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है. यह पर्वत खासतौर पर बौद्ध धर्म से जुड़े धार्मिक मान्यताओं के लिए लोकप्रिय है. इसे गुरुपद गिरि और कुक्कुट पद के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्वत घने जंगल, हरे-भरे मैदान और कई गुफाओं से घिरा हुआ है। यह पर्वत झारखंड की सीमा से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यहां का नजारा देखने लायक होता है।

गुरपा पहाड़ी पर गुरुपद नामक एक मंदिर है, जहां भगवान विष्णु के पदचिह्न हैं। ऐसा भी माना जाता है कि बौद्ध धर्म के एक प्रमुख अनुयायी- महाकश्यप यहां ध्यान लगाने आए थे और इसी पर्वत पर समाधि ले ली थी। महाकश्यप भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों में से एक थे। हिंदू और बौद्ध दोनों धर्मों के श्रद्धालुओं के बीच गुरपा पर्वत बेहद खास माने जाते हैं। गुरपा पर्वत की ऊंचाई लगभग 365 मीटर है, श्रद्धालु 1800 सीढ़ियां चढ़कर यहां दर्शन करने पहुंचते हैं।

महाकश्यप की गुफा- गुरपा पर्वत पर एक गुफा है जिसे महाकश्यप गुफा कहा जाता है। गुफा के अंदर का वातावरण अत्यंत शांत, ठंडा और ध्यान के अनुकूल है।आज भी ये स्थान ध्यान साधना और तपस्या के लिए आदर्श माना जाता है. यहां बैठकर ध्यान लगाने से मानसिक शाति और आध्यात्मिक का अनुभव होता है।इसी गुफा में महाकश्यप ने जीवित समाधि ली थी. गुफा तक पहुंचने के लिए काफी चढ़ाई करनी पड़ती है।

प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली- पर्वत की सुंदरता और हरियाली मन को मोह लेने वाली है। 1,500 फीट की ऊंचाई पर बसा यह पर्वत नेचर लवर और तीर्थयात्रियों दोनों के लिए यह आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। घने जंगलों से घिरा ये पहाड़ सूर्योदय और सूर्यास्त के समय दृश्य काफी अद्भुत होता है। पर्वत की चढ़ाई करने के दौरान रास्ते में जगह-जगह विश्राम करने की भी व्यवस्था की गई है।गुरपा हिल पर न केवल भारत के विभिन्न राज्यों से, बल्कि विदेशों से भी सैलानी यहां पर आते हैं। बौद्ध धर्म के अनुयायी थाईलैंड, श्रीलंका, म्यांमार, , चीन, नेपाल, दक्षिण कोरिया और पश्चिमी देश (यूएस, यूके, ऑस्ट्रेलिया) से ध्यान, शोध और अनुभव करने यहां आते हैं।सड़क मार्ग के लिए गया शहर से डोभी तक पहुंचना होगा। डोभी, एक प्रमुख चौराहा है जहां से सड़क गुरपा गांव की ओर जाती है।

बालमन

गुणकारी सब्जी

खेखसा/कंटोला

बरसात के मौसम में सबसे गुणकारी सब्जी है कंटोला या खेखसा । खेखसा का सेवन ना सिर्फ बीमारियों को दूर करता है बल्कि रामबाण की तरह काम करता है। कंटोला या खेखशा को आयुर्वेदिक औषधि भी कहा जाता है. करेले की तरह दिखने वाले कंटोला के अनगिनत स्वास्थ्य लाभ हैं। कई लोग इसे ककोरा के नाम से भी जानते हैं. बारिश के मौसम में कंटोला की सब्जी खाने से संक्रमण का खतरा कम हो जाता है।

कंटोला के सेवन से वजन घटाने में भी मदद मिलती है ।इस सब्जी में बहुत कम मात्रा में कैलोरी और अच्छी मात्रा में फाइबर होता है जो वजन घटाने में फायदेमंद (कंटोला के फायदे) हो सकता है।कंटोला पाचन के लिए फायदेमंद होता है, इसके सेवन से कब्ज और अन्य पाचन समस्याओं से राहत मिलती है ।इस सब्जी में अच्छा फाइबर होता है इसलिए यह जल्दी पच जाती है । कंटोला सर्दी और खांसी से राहत के लिए अच्छा है। इस सब्जी में एंटी-एलर्जिक और एनाल्जेसिक गुण पाए जाते हैं जो सर्दी-खांसी से बचाव में मददगार साबित हो सकते हैं। ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए कंटोला की सब्जी बहुत फायदेमंद हो सकती है। अगर कंटोला जूस को अपनी डाइट में शामिल किया जाए तो भी ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रह सकता है।कंटोला में एक नहीं बल्कि सभी पोषक तत्व पाए जाते हैं। कोकोरा में प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन बी1, बी2, बी3, बी5, बी6, बी9, बी12, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन डी2 और 3, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, सोडियम, विटामिन एच, विटामिन के, कॉपर, होता है।जिंक पाया जाता है।यानी ये कोई आम सब्जी नहीं है। इस सब्जी में शरीर को मजबूत बनाने वाले सभी विटामिन मौजूद होते हैं।ककोरा का स्वाद तीखा होता है और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है। इसे खाने से जबरदस्त ताकत मिलती है।

" कुमार राकेश मणि "

बालमन

बोलती तस्वीरें

Part 1

पुष्पा प्रसाद

न्यू प्राथमिक विद्यालय बरमदिया इज़माल (पूर्वी चंपारण)

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)

UMS चंदा,चांद(कैमूर)

मध्य विद्यालय बेलगोपी, गायघाट (मुजफ्फरपुर)

NPS खुटौना यादव टोला ,पताही (पूर्वी चंपारण)

कहना जरूरी हैं....

ग्रीष्मकालीन अवकाश में लगभग सभी लोगों ने अपने पसंद और सामर्थ्य के अनुसार देश- विदेश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल का भ्रमण किया होगा। इन पर्यटन स्थलों में मंदिर, ऐतिहासिक स्थल, समुद्र, हिल्स स्टेशन, जंगल सफारी एवं अन्य पर्यटन स्थान हो सकते हैं । प्रत्येक स्थान का एक अलग आनन्द होता है। हमने भी कुछ जगह का भ्रमण किया। घूमने में अच्छा लगा। पर्यटन स्थल के क्षेत्रीय लोगों द्वारा बातचीत के क्रम में उनके द्वारा बताया गया कि इन पर्यटन स्थल पर विगत कुछ समय से लोगों की संख्या पहले के अनुपात में कई गुना बढ़ोतरी हुई है जिससे यहां के लोगों की आमद भी कई गुना बढ़ी है ये तो अच्छी बात है मगर इस बढ़ोतरी से ये पर्यटन स्थल काफी प्रदूषित भी हो रहे हैं। इन पर्यटकों द्वारा उपयोग किया गया प्लास्टिक का बोतल, पॉलीथिन, और अन्य कचरा इन पर्यटन स्थल के पर्यावरण और पारिस्थितिकी को काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं। पर्यटकों के ठहरने हेतु अधिक से अधिक होटल का निर्माण , सीवेज सिस्टम , अधिक से अधिक सड़को के निर्माण हेतु वनों की कटाई , पहाड़ो का उत्खनन ,जल की व्यवस्था हेतु बोरवेल करने से जलस्तर की समस्या एवम अनेक प्रकार की गाड़ियों के आगमन से वायु प्रदूषण से इन जगहों की जो विशेषता थी उसमें कमी होती जा रही है। पर्यावरण विज्ञान के अनुसार हर क्षेत्र की अपनी एक वहन क्षमता होती है, जो संसाधनों की उपलब्धता और उनके उपयोग पर निर्भर करती है।एक बार भी हम उस क्षमता को पार करते हैं, उसी वक्त पर्यावरण और पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचने लगता है। इन सभी कारणों से हम जिस आनन्द के लिए वहां जाना पसंद करते थे वह आनन्द पहले जैसी नहीं के बराबर है। यह समस्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। अगर इसका निदान गम्भीरता से नहीं निकाला गया तो कुछ ही दिनों में यह सभी पर्यटन स्थल अपनी महता और विशेषता खो देंगे। इस समस्या का निदान सरकार , पर्यावरण विशेषज्ञ को मिलकर करना होगा जिसमें हम सभी का सार्थक सहयोग सबसे जरूरी है।

कुमार राकेश मणि

विश्व के धरोहर

नालन्दा महाविहार

नालंदा पुरातात्विक स्थल को 9 जनवरी, 2009 को विश्व धरोहर की अनंतिम सूची में शामिल किया गया।नालंदा महाविहार स्थल उत्तर-पूर्वी भारत के बिहार राज्य में है। 23 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले नालंदा महाविहार का पुरातात्विक स्थल लगभग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 13 वीं शताब्दी तक के अवशेषों को प्रस्तुत करता है।जिसमें 13वीं शताब्दी में नालंदा की लूट और परित्याग से पहले तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 13वीं शताब्दी ई.पू. तक के मठवासी और शैक्षणिक संस्थान के पुरातात्विक अवशेष शामिल हैं। इसमें स्तूप , मंदिर, चैत्य,विहार (आवासीय और शैक्षिक भवन) और प्लास्टर, पत्थर और धातु से बनी महत्वपूर्ण कलाकृतियाँ शामिल हैं। नालंदा भारतीय उपमहाद्वीप के सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाता है। यह 800 वर्षों की निर्बाध अवधि में ज्ञान के संगठित प्रसारण में लगा हुआ है। इस स्थल का ऐतिहासिक विकास बौद्ध धर्म के एक धर्म के रूप में विकसित होने और मठवासी और शैक्षिक परंपराओं के उत्कर्ष का प्रमाण है। भवनों का लेआउट स्तूप-चैत्य के चारों ओर समूहीकरण से लेकर दक्षिण से उत्तर की ओर एक अक्ष पर औपचारिक रैखिक संरेखण में परिवर्तन की गवाही देता है।

यूनेस्को सूची में शामिल होने के साथ, नालंदा विश्वविद्यालय प्रतिष्ठित दर्जा पाने वाला भारत का 26वाँ 'सांस्कृतिक स्थल' बन गया है।

यूनेस्को ने कहा कि नालंदा भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है और यह 800 वर्षों की निर्बाध अवधि में ज्ञान के संगठित हस्तांतरण में संलग्न रहा है।

कुमार राकेश मणि

बालमन

बोलती तस्वीरें Part 2

पुष्पा प्रसाद

मध्य विद्यालय सोनाबो,चैनपुरा, कैमूर

आदर्श मध्य विद्यालय तिनटंगा दियारा, रंगरा चौक (भागलपुर)

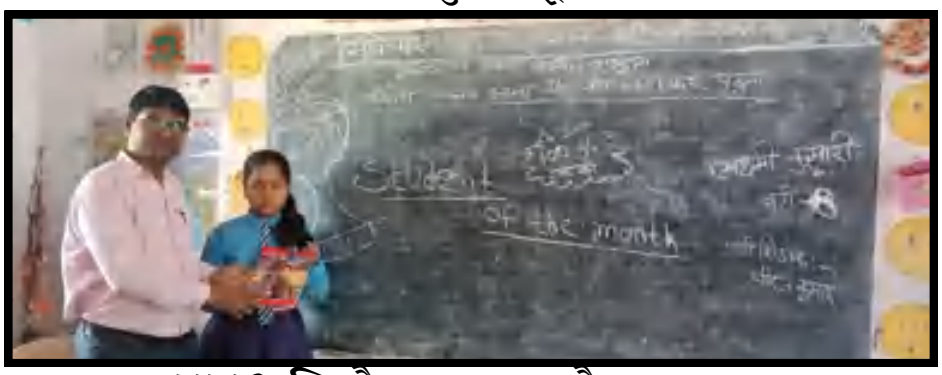

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

N.P.S. Marar West
Dharmeshwari, Rahika,
Madhubani

U.M.S Mahulia Ladania district Madhubani

मध्य विद्यालय बेलगोपी, गायघाट, मुजफ्फरपुर

P/S Janakbagh Kullakhas kasba Purnea

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

बालमन

QUIZ TIME

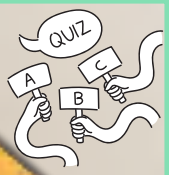

1 योग दिवस मनाने की शुरुआत कब हुई थी?

सही उत्तर: A

- A. 11 दिसंबर 2014
- B. 23 मार्च 2013
- C. 21 जुलाई 2014

2 अंतरिक्ष में जाने वाला पहला जीव कौन सा था?

सही उत्तर: C

- A. बकरी
- B. बिल्ली
- C. कुतिया

3 साइकिल दिवस कब मनाया जाता है?

सही उत्तर: B

- A. 7 जून
- B. 3 जून
- C. 11 जून

बालमन

बूझो तो जानें

संजय कुमार

पहेली संख्या 1

गोल-गोल हैं जिसकी आंखें, भाता नहीं उजाला, दिन में सोता रहता हरदम, रात विचरने वाला.. बुझो तो जानें ?

सही उत्तर : उल्लू

पहेली संख्या 2

जा जोड़े तो जापान, अमीरों के लिए है यह शान, बनारसी इसकी पहचान, दावतों में बढ़ती इसकी शान.. बुझो तो जानें ?

सही उत्तर : पान

पहेली संख्या 3

है ऐसी चीज जो हमेशा आगे बढ़ती है, लेकिन कभी पीछे नहीं जाती है..... बुझो तो जानें ?

सही उत्तर : समय

पहेली संख्या 4

ये धनुष है सबको भाता, मगर लड़ने के काम न आता ....बुझो तो जानें ?

सही उत्तर : इंद्रधनुष

विज्ञान कॉर्नर

ऊष्मीय अपघटन अभिक्रिया

वह अभिक्रिया जिसमें किसी यौगिक को गर्म करने पर वह दो या दो से अधिक भागों में अपघटित हो जाता है। ऐसी अभिक्रिया को ऊष्मीय अपघटन अभिक्रिया कहते हैं।

कैल्शियम कार्बोनेट का अपघटन

$$CaCO_3 \xrightarrow{\text{ऊष्मा}} CaO + CO_2$$

कैल्शियम कार्बोनेट — कैल्शियम ऑक्साइड — कार्बन डाइऑक्साइड

पोटैशियम क्लोरेट का अपघटन

$$2KClO_3 \xrightarrow{Heat} 2KCl + 3O_2$$

पोटैशियम क्लोरेट — पोटैशियम क्लोराइड — ऑक्सीजन

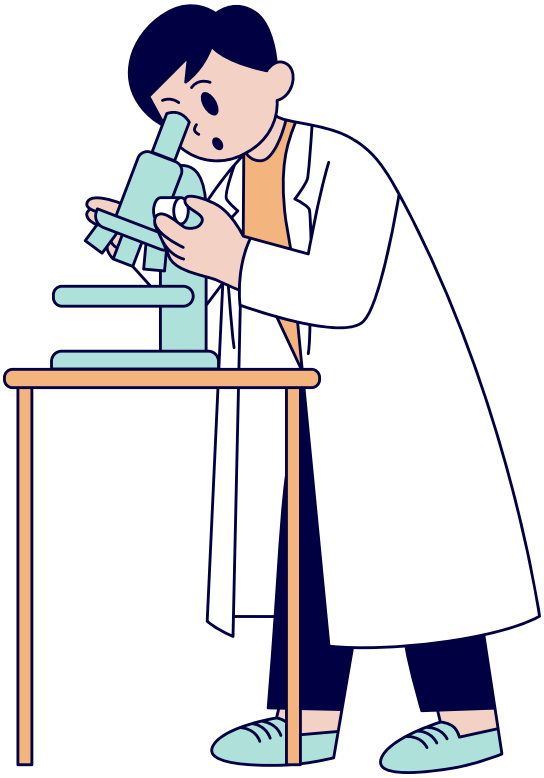

प्रकाश रासायनिक अभिक्रिया

वह अभिक्रिया जिसमें किसी यौगिक को सूर्य प्रकाश में रखने पर दो या दो से अधिक भागों में अपघटित हो जाता है। ऐसी अभिक्रिया को प्रकाश रासायनिक अभिक्रिया कहते हैं।

सिल्वर क्लोराइड का अपघटन

$$2AgCl(s) \xrightarrow{\text{Sunlight}} 2Ag(s) + Cl_2(g)$$

Silver chloride — Silver — Chlorine

सिल्वर ब्रोमाइड का अपघटन

$$2AgBr(s) \xrightarrow{\text{Sunlight}} 2Ag(s) + Br_2(g)$$

Silver bromide — Silver — Bromine

उपयोग :- सिल्वर क्लोराइड और सिल्वर ब्रोमाइड का उपयोग ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफी में किया जाता है।

राजेश कुमार सिंह, विज्ञान शिक्षक

बालमन

part 3

बोलती तस्वीरें

पुष्पा प्रसाद

मध्य विद्यालय सिमराहा,फारबिसगंज (अररिया)

प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हेडक्वाटर कस्बा(पूर्णिया)

UMS बरना, कुदरा (कैमूर)

Middle school Nasriganj Danapur (Patna)

Middle school singhaul BELAGANG GAYAJI

शिक्षा शब्दकोश

शैक्षिक आकलन

शैक्षिक आकलन (Educational Assessment) छात्रों के ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण, और योग्यताओं का मूल्यांकन करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य छात्रों के सीखने में सुधार करना और शैक्षिक कार्यक्रमों को परिष्कृत करना है।

मंजिले आसान नहीं होती

भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का विद्यार्थी जीवन:

भारतवासियों के लिए गौरव का विषय है कि 41 वर्ष बाद फिर विंग कमांडर राकेश शर्मा(भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री) सरीखे भारत मां के होनहार बेटे ग्रुप कैप्टेन शुभांशु शुक्ला ने कठिन परिश्रम के बल पर अपनी सफलता की उड़ान को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा दिया है।पूरे विश्व पटल पर अपने देश का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा आसमान की ऊंचाइयों को छू रहा है ।

शुभांशु शुक्ला लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल के छात्र रहे हैं। जिसके कारण इस विद्यालय के प्रिंसिपल और शिक्षक गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं। उनके शिष्य ने आज सी. एम. एस. ही नहीं, आज पूरे भारत का नाम ऊंचा कर दिया है। शिक्षिका अर्चना अग्रवाल कहती हैं कि उन्होंने शुभांशु को जूनियर सेक्शन में पढ़ाया है। वह आरंभ से ही एक जिज्ञासु छात्र रहा है। हमें उससे बात करके प्रसन्नता होती थी। वह अपने प्रत्येक कार्य को नए तरीके प्रस्तुत करता था। वहीं विद्यालय की प्रभारी श्वेता सक्सेना कहती हैं वह सदा कहता था कि एक दिन मैं कुछ अलग करके दिखाऊंगा और आज उसने अपना सपना पूरा कर दिखाया। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु की अध्यापिका अपर्णा पांडेय कहती हैं कि उसकी सोंच अन्य विद्यार्थियों से अलग थी। विज्ञान प्रदर्शनी मे उसके मॉडल को देखने के लिए सबसे अधिक भीड़ दिखाई देती थी। क्योंकि उसमें छात्र शुभांशु शुक्ला के नवाचार की झलक दिखाई देती थी।

सफलता की मंजिले आसान नहीं होती। शुभांशु शुक्ला ने अपने कैरियर के लिए वह रास्ता चुना तो अत्यधिक कठिन परिश्रम वाला होता है। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला आज भी कहते हैं कि मैं एक बच्चे की तरह जीना सीख रहा हूं। शिखर पर पहुंचकर भी अपने आपको शून्य समझना जीवन की सबसे बड़ी कामयाबी है।

शुभांशु शुक्ला

- शरद कुमार वर्मा
(शिक्षक)
रेलवे हायर सेकंड्री स्कूल
चारबाग, लखनऊ
(उत्तर प्रदेश)

अपनी बात आपके साथ

धैर्य रखो और आगे बढ़ो।

एक बार की बात है एक मैडम क्लास में पढ़ा रही थी वह सभी छात्र छात्राओं से कोई ना कोई सवाल पूछ रही थी तभी उन्होंने देखा एक बच्ची बहुत ही उदास बैठी थी मानो उस बच्ची के साथ बहुत बुरा हुआ हो,उस समय मैडम ने उस बच्ची से ना कुछ पूछा, ना कुछ कहा। चार-पांच दिन तक ऐसा ही चलता रहा तभी मैडम ने उस बच्ची के पास जाकर उससे पूछा बेटी तुम उदास क्यों बैठी रहती हो दूसरे बच्चों की तरह जवाब क्यूं नहीं देती हो तभी लड़की ने मैडम से कहा मैडम मेरे अतीत में मेरे साथ बहुत कुछ बुरा हुआ है इसी से मेरा अब किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। मैं कुछ भी कर लूं मैं खुश नहीं रह पाती हूं। मैडम ने उस बच्ची की पूरी बात सुनी और अगले दिन मैडम अपने बैग में शिकंजी बनाने का सामान लेकर आयी और सारे बच्चों के क्लास से जाने के बाद मैडम शिकंजी का सामान उस बच्ची के पास रखकर शिकंजी बनाने लगी। तभी लड़की को लगा कि मैडम ये सब उसे खुश करने के लिए कर रही हैं। तभी मैडम एक ग्लास शिकंजी बनाकर लड़की को दी और पीने के लिए कहा। लड़की ने जैसे ही शिकंजी का एक घूंट पिया उसे शिकंजी में नमक अधिक लगा उसने मैडम से कहा मैडम शिकंजी में नमक ज्यादा है तभी मैडम ने उस लड़की से कहा ठीक है मुझे दे दो। में इसे फेंक देती हूं। लड़की ने कहा रुकिए मैडम इसे फेंकने की जरूरत नहीं है यदि इसमें शक्कर मिला दी जाए तो यह खुद ब खुद मीठी और अच्छी हो जाएगी तभी मैडम ने उस लड़की की तरफ मुस्कुराते हुए देखा और कहा हां यही बात आज मैं तुम्हें शिकंजी के माध्यम से समझाने आयी थी हमारी जिंदगी भी शिकंजी की तरह है। और हमारे अतीत में जो कुछ दुखद घटित हुआ होता है वह उस शिकंजी में मिले नमक की तरह है। जब हमारे साथ में कुछ बहुत बुरा हुआ होता है तब हमारी जिंदगी कड़वीऔर उदास हो जाती है। तब उसमें हमें कुछ अच्छे पल जोड़ने की जरूरत होती है। जिस तरह शिकंजी में नमक ज्यादा हो गया था शक्कर मिलाने से वह मीठी हो गई उसी तरह हमारे जीवन में भी बहुत उतार चढ़ाव और कठिनाइयां आती रहती हैं। उस समय हमें धैर्य के साथ उन कठिनाइयों का डटकर सामना करना है और उसमें अधिक से अधिक खुशियां जोड़नी है। ताकि हमारी बुरी यादों से अच्छी यादें अधिक से अधिक हो जाएं। जो अतीत में हो गया सो हो गया उसकी वजह से वर्तमान क्यों खराब करें? इसीलिए कड़वी बातों को भुलाकर जिंदगी में धैर्य के साथ आगे बढ़ते रहना है।

कुमारी नीलम(शिक्षिका)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय छोटका कटरा
मोहनियां, कैमूर (बिहार)

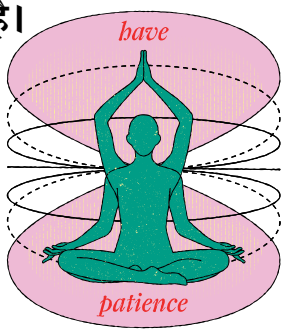

बालमन

चेतना सत्र

पीएम श्री आदर्श गर्ल्स +2 सीनियर सेकंड्री स्कूल रामगढ़, कैमूर

राजकीयकृत उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुढ़नी मुज़फ़्फ़रपुर

मध्य विद्यालय कमलपुर, रानीगंज, अररिया

आदर्श प्राथमिक विद्यालय, केवला, सुपौल

मध्य विद्यालय सुखासन कोठी पूर्णिया

बालमन कविता

पर्यावरण बचाना है

पर्यावरण बचाना है,
सबको यह समझाना है।
स्वच्छ हवा में सांस लेंगे
प्रदूषण नहीं फैलाना है।
फुलझड़ियां पटाखे नहीं जलाएंगे,
खुशियों से त्योहार मनाएंगे,

सबको यही बताना है,
प्रदूषण मुक्त भारत बनाना है।

आओ हम सब पेड़ लगाएं,
धरती को हम स्वर्ग बनाएं,
पेड़ काटने से बचाना है,
हमें पर्यावरण बचाना है।

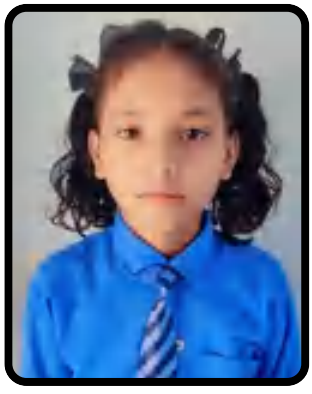

अनुष्का कुमारी, वर्ग 6
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा, मोहनियां
कैमूर (बिहार)

बालमन कहानी

धूर्तबाज दोस्त

एक जंगल में एक सियार और एक खरगोश रहता था। सियार का नाम जग्गू और खरगोश का नाम बग्गू था ।दोनों में काफी मित्रता थी, लेकिन जग्गू कुछ लालची था वहीं बग्गू बहुत सीधा सादा।

एक दिन जग्गू बोला, मित्र बग्गू ,यार आज मुझे खीर खाने का मन करता है, उसपर बग्गू बोला बस इतनी सी बात चलो फटाफट सब इंतजाम करते हैं।

जग्गू बोला मित्र बग्गू इस जंगल से होकर रास्ता है बाजार जाने का ,लोग बाजार से बहुत सामान लाते हैं,दूध वाले दूध बेचने जाते हैं,क्यूँ न उन सबको उल्लू बनाकर,अपना काम निकालें। बग्गू बोला ठीक है दोस्त , मुझे क्या करना है, जग्गू बोला तुम रास्ते पर जाकर सो जाओ ,दूध वाले दूध बेचने जाएगा और रास्ते पर तुमको सोया देखकर दूध नीचे में रखकर,तुमको पकड़ने का प्रयास करेगा,जैसे हीं तुमको पकड़ने जाएगा ,तुम उठकर भाग जाना और इधर मैं उसका दूध लेकर भाग जाउँगा। जग्गू के कहने पर बग्गू ने वैसा हीं किया, जैसे हीं दूधवाला दूध रखकर बग्गू को पकड़ने गया, बग्गू उठकर भाग गया और जग्गू दूध वाले का दूध लेकर भाग गया।इसी तरह,चावल ,चीनी आदि का व्यवस्था कर स्वादिष्ट खीर बनाकर तैयार कर लिया।

जग्गू (सियार) तो बहुत लोभी और चलाक था वह बग्गू से बोला, बग्गू दोस्त खीर तो बनकर तैयार है अब फटाफट स्नान कर लेते हैं , लेकिन आज एक शर्त रखें हैं,जो जितना देर स्नान करेगा वह उतना खीर खाएगा , बग्गू तो सीधा सादा था बोला ठीक है दोस्त तब स्नान करने के लिए चलते हैं।

अब दोनों दोस्त स्नान करने लगा, जग्गू पाँच बाल्टी पानी से स्नान किया और कपड़ा पहन लिया,ये देख बग्गू बोला अरे यार हो गया तुम्हारा स्नान, जग्गू बोला हाँ दोस्त हम ज्यादा स्नान नहीं कर पाएँगे मेरी तबीयत ठीक नही है,हम घर जाते हैं आराम करेंगे तुम ज्यादा स्नान करके आ जाना, फिर साथ में खीर खाएँगे । तुम ज्यादा हीं खा लेना।सीधा सादा बग्गू बोला ठीक है दोस्त तुम घर जाकर आराम करो।इधर जग्गू घर आया सब खीर खा गया , थोड़ा खीर थाली में निकाल कर रख लिया और हंडी के अंदर कीचड़ भरकर ऊपर से थाली वाला खीर इस तरह से रखा कि लगता था कि हंडी खीर से एकदम भरा हुआ है,और बिछावन पर आराम से सो गया।अब बग्गू एक घंटा बाद स्नान कर घर आया और खीर की हंडी देखा तो खीर हंडी में भरा हुआ था, देखकर मन खुश हो गया,वह मन हीं मन सोचने लगा आहा आज मैं जी भरकर खीर खाउँगा। बग्गू ने जग्गू को उठाया बोला चलो दोस्त मैं स्नान करके आ गया हूँ ,अब दोनों दोस्त मिलकर खीर खाएँगे । जग्गू बोला ठीक है थाली में खीर परोसो, बग्गू दो -दो कलछू थाली में खीर लिया और खाना शुरू किया, जग्गू का पेट तो पहले से भरा हुआ था,वह दो कलछू खीर खाकर उठ गया और बोला मेरी तबीयत कुछ ठीक नही है इसलिए मुझे अब नहीं खाया जाएगा , बग्गू यार आज तुम ज्यादा स्नान भी करके आया है इसलिए सारा खीर तुम्हीं खा लो । बग्गू दो कलछू खीर खाने के बाद जब तीसरा कलछू हंडी में दिया तो कलछू में कीचड़ आया, बग्गू जग्गू से बोला ये अंदर से कैसा बदबूदार खीर निकल रहा है , उसपर जग्गू बोला अंदर में खीर जल गया है इसलिए दोस्त खाओ -खाओ थोड़ा महकेगा बाद में अच्छा हीं लगेगा ।

बग्गू जैसे हीं वह खीर मुँह में लिया ,छी- छी -छी -छी करके उल्टी करने लगा ,इधर बग्गू को उल्टी करता देख,जग्गू नौ दो ग्यारह हो गया। तो देखिए ऐसा भी धूर्तवाज दोस्त होता है।

धूर्तबाज दोस्त की पहचान कर बच कर रहे।

नीतू रानी(शिक्षिका)
मध्य विद्यालय सूरीगांव, बायसी (पूर्णिया)

बालमन कविता

गर्मी की छुट्टी

आ गयी आ गयी भैया
गर्मी की छुट्टियाँ

भा गयी भा गयी भैया
गरमी की छुट्टियाँ

अब तो मन की मौज भैया
नानी के घर ना जाना है

वाटर पार्क में जाकर भैया
तैराकी है सीखना

रंग बिरंगी पेंसिल दो भैया
प्रतियोगिता है जीतना

समय बहुत बलवान है भैया
जग को हमें है जीतना

चंदनादत्त , राँटी, मधुबनी

छुट्टियों का आनन्द

बड़ी मुद्दत से आई छुट्टियां,
सबों के चेहरे पर लाई खुशियां।

परिवार के साथ साथ दोस्तों संग छुट्टियों का आनंद उठाएंगे,
पर्यटन स्थल के साथ साथ धार्मिक स्थल घूमने जाएंगे।

देखो देखो सबों के चेहरे पर मुस्कान आई,
साथ में खुशियां ही खुशियां लाई।

कोई जाएगा आगरा घूमने तो कोई जाएगा काशी-मथूरा,
कोई जाएगा केदारनाथ तो कोई जाएगा पशुपतिनाथ।

न जाने फिर कब आएगी छुट्टियां,
न जाने फिर कब लाएगी खुशियां।

छुट्टियों का भरपूर आनंद उठाएंगे,
मौज-मस्ती के साथ परिवार-दोस्तों संग घूमकर आएंगे।

छुट्टियों का भरपूर आनंद उठाएंगे,
23 तारीख से फिर वहीं स्कूल जाएंगे।

मृत्युंजय कुमार
नवसृजित प्राथमिक विद्यालय खुटौना यादव टोला
पताही, पूर्वी चंपारण

विज्ञान प्रश्नोत्तर

प्रश्न : गर्मी के दिनों में सुराही में रखा पानी ठंडा रहता है, क्यों ?

उत्तर: सुराही या घड़ा इस प्रकार बना होता है कि इसमें बहुत-से महीन छिद्र होते हैं। इन छिद्रों के द्वारा अंदर का जल वायुमंडल के सम्पर्क में आकर वाष्पीकृत होने लगता है।वाष्पीकरण के कारण सुराही का पानी ठंडा रहता है।

प्रश्न: गर्मी के दिनों में उजला कपड़ा पहनना आरामदायक होता है क्यों ?

उत्तर: उजली सतह प्रकाश-तरंगों को परावर्तित कर देती है, जिसके कारण उजले कपड़े में ऊष्मा कम उत्पन्न होती हैं । इसलिए, गर्मी के दिनों में उजला कपड़ा पहनना आरामदायक है।

गर्मी की छुट्टी के बाद.....

स्वागत सप्ताह

PS Mahi Siding, Sonpur, Saran

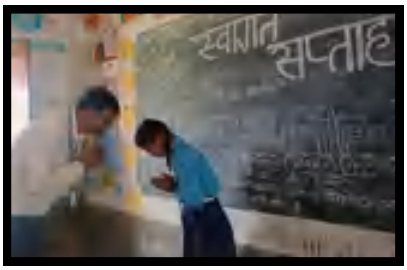

UMS सिलौटा, भभुआ , कैमूर

PS Mahi Siding, Sonpur, Saran

P S KHARAGPURA BIKRAMGANJ ROHTAS

PS AMJADPUR PIDHAULI TEGHRA
Begusarai

Nps barmadia ismal ,chakia(Purvi champaran)

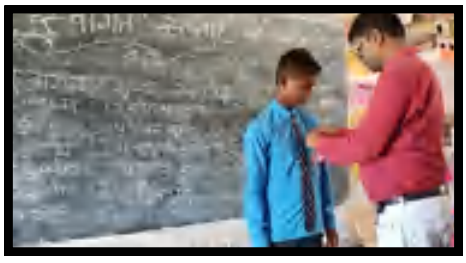

मध्य सह उच्च माध्यमिक विद्यायल
दरगाहीगंज

प्राथमिक विद्यालय बैरगाछी कुमारीपुर
मनिहारी (कटिहार)

मध्य विद्यालय महेशमुंडा हिन्दी, कहलगांव, भागलपुर

म ० वि० दीननगर पुरनी जगदीशपुर भागलपुर

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय
कुचायकोट गोपालगंज

बालमन कविता

हमारा पर्यावरण

पेड़ है जीवन का आधार,
इसी से मिलता है आहार।
आज बचा लें पर्यावरण,
स्वच्छ बनाएं वातावरण,
हरा -भरा हो यह संसार,
पेड़ है जीवन का आधार।
शुभ अवसर पर पेड़ लगाएं,
आस-पास सब को समझाएं,
सबको मिले खुशियां अपार,
पेड़ है जीवन का आधार।
धरती को हम स्वर्ग बनाएं,
हर हाथ से पौधा लगाएं,
कहती हूं मैं बारम्बार।
पेड़ है जीवन का आधार।

आकांक्षा कुमारी,वर्ग 5
UMS अर्रा
मोहनियां ,कैमूर
(बिहार)

यात्रा पर आधारित कविता

टॉय ट्रेन

सिलीगुड़ी जंक्शन पर
जैसे ही बच्चे उतरे,
द्वाय ट्रेन खड़ी थी,
सभी देखकर मचले।

खिलौना रेलगाड़ी!
इसी को तो कहते हैं,
भल्लू की इस बात पर
सब लोग हँसते हैं।

छुक-छुक करती
ट्रेन चली,
धीमी थी रफ्तार,
बच्चे खूब मजे में थे,
थी पहाड़ों की कतार!

मजदूर लगे थे,
बागानों में,
बच्चे घूर रहे थे,
चाय की हरी पत्तियों में,
गर्म चाय ढूंढ रहे थे!

हरी घाटियाँ,
उँचे पर्वत शिखर,
मानो गले लगाते थे,
वह झरने,
कल-कल धाराएं,
सबको पास बुलाते थे।

यह यात्रा
खूब जमी!
सबको मजा आया,
कहो भला,ये द्वाय ट्रेन,
किसके मन को न भाया!

गिरिधर कुमार,उ.म.वि. अमदाबाद, कटिहार

"बालमन प्रतियोगिता" यात्रा के अनुभव पर प्राप्त रचना

यात्रा (रेलवे स्टेशन)

जीवन पर्यन्त न रुकने वाली #यात्रा का यह ठहराव स्थल!! यह गवाह है कई आशाओं का,कई निराशाओं का। किसी से मिलने की खुशी और किसी से बिछड़ने का ग़म....!!!! सब कुछ अपनी आंखों से देखा है इसने I 5G की स्पीड में चलने वाली आज की जिंदगी में यहां पहुंचने मात्र से सुकून भरी सांस लेना,, सभी को राहत देती है। यह इस बात का साक्षी है अक्सर यहां अकेला बैठने वाला इंसान स्वयं में मजबूत है, उसकी यात्रा निर्बाध चलेगी,क्योंकि #यहां कुछ भी नहीं रुकता ... न ही लोग, ना भावनाएं और ना समय।

हां.... पर इस हौंसले के साथ ये आपको विदा देता है कि इस भागम भाग में अपने लक्ष्य पर टिके रहो जैसे मैं टिका हूँ वर्षों से...जिद लिए हुए आगे बढ़ते रहने का नाम जिंदगी है।

स्वयंरचित यात्रा वृत्तांत :-
अमृता कुमारी
राम जयपाल हाई स्कूल खानपुर, सारण
विद्यालय अध्यापक (11-12)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025
एक पृथ्वी ,एक स्वास्थ्य के लिए योग

मृत्युंजयम

बालमन कहानी

गोलू, मोनू,शालू , पिंकी, चीकी, गर्मी की छुट्टीयों में अपने गांव गये थे सबो ने मिलकर एक दिन गांव से सटे पोखर घुमने गया पास जाकर देखा तो पोखर में काफी कचड़ो से भरा हुआ था।सबो ने मिलकर पोखर की सफाई करने लगे और कचड़े को टोकरी मे भर बाहर निकाला अब पोखर का पानी साफ दिखाई दे रहा था। शालू पोखर से सटे पेड़ पत्थरों पर अपने रंग ब्रुश से वहां का मनोरम दृश्य बनाने में व्यस्त थी।उधर चीकी पोखर किनारे लगे पेड़ पर चढ़कर चुनमुन चिड़िया के घोंसले में उसके बच्चों कोदेखा और उसके घोंसले को रस्सियों से बांध कर मजबूत कर दिया साथ आए बच्चे पेड़ के नीचे बैठ कर गोलू मोनू पिंकी के इस सफाई अभियान को देख रहा था।

इसी बीच पिंकी , साईकिल लिए पोखर के समीप आकर बोली अरे अरे तुम लोग इस पोखर में क्या कर रहे हो सभी बच्चों ने एक स्वर में बोला देखो ना दीदी इस नदी का पानी कितना गन्दा है इसमें रहने वाले सभी जीव कितने परेशान रहते होंगे, देखो दीदी उधर देखो मछली रानी अब कितने मजे से घुम रही है।चीकी बोली हमने तो चुन मुन चिड़िया के घोंसले को भी रस्सी से बांध कर मजबूत कर दिया और अब ये कठोर उसके घोंसले में रख देता हूं ताकि उसके बच्चे साफ पानी पी सके। बच्चों के इस गतिविधि को चुनमुन चिड़िया की मां गांव में बने घरों के मुंडेर पर बैठी सबकुछ देख रही थी और मन ही मन बच्चों को धन्यवाद दे रहा था। पोखर के समीप खडा एक कुत्ता (आस्कर) बच्चों इस नेक कार्य देखकर काफी ख़ुश था अब वे भी पोखर से पानी पीने में मजा आएगा ,तभी पिंकी बोली चलो अब हम लोग घर चलते हैं,इधर गांव मे बच्चों द्वारा किए गए इस सफाई अभियान की चर्चा धीरे-धीरे आग की तरह फैल गई। गांव के प्रधान ने बच्चों से मिलकर उन्हें बधाई दिया और पूरे गांव वालों को भी यह संकल्प कराया गया कि स्वच्छता हमारे लिए बहुत जरूरी है, साथ ही पर्यावरण को भी स्वच्छ बनाए रखने के लिए हमें पेड़ों की देखभाल भी करनी होगी तभी हमे स्वच्छ हवा और पानी मिल सकता है। आज के बाद हमारे गांव मे किसी भी उत्सव पर एक पेड लगाने का काम करेंगे शादी विवाह मे आज के बाद उपहार के रुप में हमलोग एक पेड ही भेंट स्वरूप देंगे ।

शंकर कुमार राम (स्नातक प्रक्षिशित)
मध्य विद्यालय मसदी पूर्व सुलतानगंज
भागलपुर

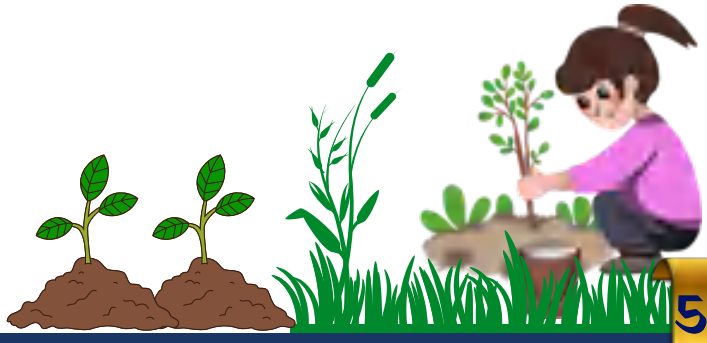

ग्रीष्मावकाश में ToB बालमन पत्रिका द्वारा आयोजित

प्रतियोगिता - 1 के विजेता

Congratulations!

श्रेणी – शिक्षक

★ रामबाबू राम
N.P.S. गढ़बरकुड़वा, वार्ड-7, गढ़पुरा,
जिला: बेगूसराय

★ परमानंद साह
प्राथमिक विद्यालय माही सीडिंग, सोनपुर,
जिला: सारण

★ अरविंद कुमार
प्राथमिक विद्यालय निमुइया मांझा, जिला:
गोपालगंज

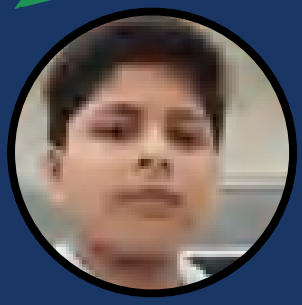

श्रेणी – विद्यार्थी

🎖 राधेश्याम
U.M.S. तेलगी बालक, जिला: भागलपुर

प्रतियोगिता - 2 के विजेता

★ अनिता देवी
उत्क्रमित मध्य
विद्यालय भोलाभित्ता
,ठाकुरगंज
जिला :किशनगंज

★ राजेंद्र बारी
प्राथमिक
विद्यालय
किशुनपुरा
भभुआ
जिला : कैमूर

★ आकाश किरण
प्राथमिक विद्यालय
भोला ताला
कहलगांव
जिला: भागलपुर

बालमन

वर्ष 2025 की पत्रिका को पढ़ने के लिए पत्रिका पर क्लिक करें।

जनवरी 2025

फरवरी 2025

मार्च 2025

अप्रैल 2025

मई 2025

आप टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका से जुड़ कर बच्चों की प्रतिभा को एक आयाम देना चाहते हैं तो जरूर संपर्क करे ।

प्रधान सम्पादक: धीरज कुमार (शिक्षक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर (बिहार)

Teachers of Bihar- +917250818080
Dhiraj Kumar- +91 9431680675
Info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com
www.teachersofbihar.org

ToB बालमन के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR कोड को स्कैन करे या क्लिक करे।